<u>बच्चे से क्यों न मिलें</u>

कोर्ट अंकलः–

पिता से पूँछते हैं कि, आप बच्चे से क्यों मिलना चाहते हैं।
हे देश के कर्णधारों हम आपसे मदद माँगते हैं।।

बच्चे की रगों में हमारा ही तो खून है।
सीने से लगकर हम दोनों को मिलता शकून है।।

हमारा ये रिश्ता तो रब ने बनाया है।
23 जोड़े क्रोमोसोम से यह शरीर रचाया है।।

एक युनिट खून तो क्या, खून का एक-एक कतरा हम दे देंगे।
अपने बच्चों की खातिर आग का दरिया भी पार कर लेंगे।।

बच्चों हम हैं, तुम बिलकुल भी मत घबराना।
तुम्हारी खुशी के लिये जमाने को है जगाना।।

राह है बहुत ही कठिन, फिर भी तुमको है बचाना।
चाहे इसके लिये कानून ही क्यों न पड़े बदलवाना।।

आज खून दिया है, कल जान भी दे देगें।
पर एक दिन बच्चों का हक दिलाकर रहेंगे।।

Children need both parents